सऊदी अरब-रियाज़
इस्लामी आमन्त्रण एंव निर्देश कार्यालय
रब्वा
1430-2009

islamhouse.com

इल्मे–ग़ैब का दावा करने वाले का हुक्म

[*हिन्दी*]

शैख़ मुहम्मद बिन सालेह अल–उसैमीन रहिमहुल्लाह

अनुवादः अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

All islamhouse.com rights are open

بسم الله الرحمن الرحيم

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

हर प्रकार की प्रशंसा सर्व जगत के पालनहार अल्लाह तआला के लिए योग्य है, तथा अल्लाह की कृपा एंव शांति अवतरित हो अन्तिम संदेष्टा मुहम्मद पर, तथा आप के साथियों, आप की संतान और आप के मानने वालों पर।

जो आदमी इल्मे-ग़ैब (प्रोक्ष-ज्ञान) का दावा करे उसके बारे में क्या हुक्म है? इसके विषय में सऊदी अरब के एक महा विद्वान मुहम्मद बिन सालेह बिन उसैमीन रहिमहुल्लाह से पूछा गया यह एक प्रश्न हैं जो पाठकों की सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा हैं, आशा है कि यह फत्वा उक्त मसअले की जानकारी प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा। (अ.र.)

प्रश्न :

जो आदमी इल्मे-ग़ैब (प्रोक्ष-ज्ञान) का दावा करे उसके बारे में क्या हुक्म है?

उत्तर :

जो आदमी इल्में ग़ैब का दावा करे उसके बारे में हुक्म यह है कि वह काफिर है, क्योंकि वह अल्लाह तआला को झुठलाने वाला है, अल्लाह तआला का फरमान है :

﴿قُلْ لَا يَعْلَمُ مَنْ فِي السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ الْغَيْبَ إِلَّا اللَّهُ وَمَا يَشْعُرُونَ أَيَّانَ يُبْعَثُونَ﴾ (سورة النمل:٦٥)

“कह दीजिए कि आसमानों और ज़मीन वालों में से अल्लाह के सिवाय कोई भी गैब (की बातें) नहीं जानता, और न यह जानते हैं कि वह कब (पुनः जीवित करके) उठाये जायें गे।” (सूरतुन्नम्ल :६५)

अल्लाह तआला ने अपने पैग़म्बर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को यह हुक्म दिया है कि आप सब लोगों के सामने यह घोषणा कर दें कि अल्लाह तआला के सिवाय और कोई आकाशों और ज़मीन में ग़ैब नहीं जानता, अतः जो आदमी ग़ैब का दावा करे, वह अल्लाह तआला के इस फरमान को झुठलाता है।

इन लोगों से हम यह कहें गे कि तुम्हारे लिए ग़ैब जानना कैसे सम्भव है, जबकि ग़ैब तो पैग़म्बर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम भी नहीं जानते थे? क्या तुम अफज़ल हो या अल्लाह के पैग़म्बर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम? अगर ये कहें कि हम अल्लाह के पैग़म्बर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से श्रेष्ठ और अशरफ हैं तो वह इस बात के

कारण काफिर हो जायें गे, और अगर वह यह कहें कि अल्लाह के पैग़म्ब सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम अश्रफ थे, तो फिर हम उन से पूछें गे कि यह कैसे हो सकता है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम तो ग़ैब न जानते हों और तुम इसे जानते हो?! अल्लाह तआला ने अपनी ज़ात के बारे में फरमाया :

﴿عَالِمُ الْغَيْبِ فَلَا يُظْهِرُ عَلَى غَيْبِهِ أَحَدًا (٢٦) إِلَّا مَنِ ارْتَضَى مِنْ رَسُولٍ فَإِنَّهُ يَسْلُكُ مِنْ بَيْنِ يَدَيْهِ وَمِنْ خَلْفِهِ رَصَدًا ﴾ (سورة الجن:٢٦-٢٧)

"वह (अल्लाह) गैब (की बातें) जानने वाला है और किसी को अपने ग़ैब (प्रोक्ष ज्ञान) से अवगत नहीं कराता, सिवाय उस पैग़म्बर के जिसे वह पसन्द फरमा ले तो उस (को गैब की बातें बता देता है और उस) के आगे और पीछे पहरेदार नियुक्त कर देता है।" (सूरतुल-जिन्न :२६-२७)

यह दूसरी आयत है, जो इस बात का प्रमाण है कि इल्मे-गैब का दावा करने वाला काफिर (अधर्मी) है, तथा अल्लाह तआला ने अपने पैग़म्बर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को यह हुक्म दिया कि है कि आप लोगों के सामने यह घोषणा कर दें :

﴿قُلْ لَا أَقُولُ لَكُمْ عِنْدِي خَزَائِنُ اللهِ وَلَا أَعْلَمُ الْغَيْبَ وَلَا أَقُولُ لَكُمْ إِنِّي مَلَكٌ إِنْ أَتَّبِعُ إِلَّا مَا يُوحَى إِلَيَّ﴾ (سورة الأنعام:٥٠)

"आप कह दीजिए कि मैं तुम से यह नहीं कहता कि मेरे पास अल्लाह तआला के खज़ाने हैं और न (यह कि) मैं गैब जानता हूँ और न तुम से यह कहता हूँ कि मैं फरिश्ता हूँ, मैं तो केवल उस आदेश पर चलता हूँ जो मुझे (अल्लाह की ओर से) वह्य आती है।" (सूरतुल अन्आम :५०)

अनुवादक
(अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह)*
atazia75@gmail.com

المملكة العربية السعودية – الرياض
المكتب التعاوني للدعوة والإرشاد وتوعية الجاليات
بالربوة
٢٠٠٩م – ١٤٣٠هـ

islamhouse.com

﴿ حكم من يدعي الغيب ﴾

« باللغة الهندية »

فضيلة الشيخ محمد بن صالح العثيمين رحمه الله

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

حقوق الطبع والنشر لعموم المسلمين